iFkekof/k ijh{kk-2016

fgUnh ¼dfUnd½

अवधि - 3 घंटे | कक्षा - बारहवीं | पूर्णांक - 100

Dat – 23.09.2016

निर्देश – 1) **प्रश्न पत्र में तीन खंड हैं ।**

2) **सभी खण्डों के प्रश्नोत्तर क्रमशः लिखें ।**

3) **हल करने के पूर्व प्रश्न क्रमांक अवश्य लिखें ।**

[k.M & d

i-1 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –**

वैज्ञानिक अनुसंधानों एवं औद्योगिक प्रगति के पूर्व के मनोरंजन एवं आज के युग में उपलब्ध मनोरंजन में तथा इससे संबंधित हमारी आवश्यकताओं एवं अभिरुचि में बहुत अधिक अंतर आ गया है । पहले मनोरंजन का उद्देश्य मात्र मनोरंजन होता था और यह प्रक्रिया धार्मिक एवं सामाजिक भावों से संलग्न थीं । ऐसा मनोरंजन व्यक्तित्व के गठन एवं स्वस्थ दृष्टिकोण के उन्नयन में सहायक होता था । किंतु आज इसका महत्त्वपूर्ण उद्देश्य 'अर्थ प्राप्ति' हो गया है । संभवतः इसी कारण मनोरंजन का स्वरूप पूर्णतः बदल गया है ।

आधुनिक परिवेश में मनोरंजन का जो भी रूप उपलब्ध है, वह हमारे व्यक्तित्व के गठन पर कुठाराघात करता है, आदर्शों को झुठलाता है । अस्वस्थ अभिरूचि एवं दृष्टिकोण को प्रोत्साहन देता है या उस जीवन के सब्ज़बाग दिखाता है, जो जीने योग्य नहीं है । यह रूप व्यक्ति, समाज और विशेषकर हमारी भावी पीढ़ी को भ्रमित कर रहा है । मनोरंजन से संबद्ध विभिन्न क्रियाकलाप, जैसे – अभद्र सिनेमा, नृत्यशालाएँ, फ़ैशन परेड आदि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से व्यक्ति एवं समाज के जीवन को विकृत कर रहे हैं । बड़े-बड़े नगरों की नृत्यशालाओं एवं नाइट क्लबों में मनोरंजन के नाम पर जो गतिविधियाँ संपन्न होती हैं वे तथाकथित आधुनिक एवं प्रगतिशील विचारधारा से भले समर्पित हों, किंतु स्वस्थ भारतीय दृष्टिकोण के अनुसार तो वे पश्चिमी देशों की अंधी नकल ही है । इनके समर्थक यह भूल जाते हैं कि उनका मानसिक गठन, संस्कार, रीति-रिवाज़ तथा जीवन-पद्धति पश्चिमी देशों से एकदम भिन्न है । इस प्रकार देश में मनोरंजन के नाम पर जो भी भौंडापन उपलब्ध है-वह विघटन का स्रोत है, विकारों का जनक है, एवं क्षयग्रस्त जीवन का पर्याय है ।

क) वैज्ञानिक प्रगति से पूर्व और बाद के मनोरंजन के स्वरुप और हमारी सोच में मूल अंतर क्या है ? **(2)**

ख) वैज्ञानिक युग से पहले और बाद के मनोरंजन के रुप परिवर्तन का क्या कारण है ? **(2)**

ग) आधुनिक मनोरंजन जीवन को कैसे प्रभावित कर रहा है ? **(2)**

घ) पश्चिमी देशों का अंधानुकरण किसे कहा है और क्यों ? **(2)**

ङ) मनोरंजन के नाम पर भौंडापन किसे कहा गया है ? उसके क्या परिणाम हुए हैं । **(2)**

च) मूलशब्द एवं प्रत्यय अलग कीजिए – आवश्यकताओं, गतिविधियाँ **(2)**

छ) सरल वाक्य में बदलिए – **(2)**

'आधुनिक परिवेश में मनोरंजन का जो भी रूप उपलब्ध है, वह हमारे व्यक्तित्व के गठन पर कुठाराघात करता है ।'

ज) उपयुक्त शीर्षक दीजिए । **(1)**

i-2 **निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –**

नए युग में विचारों की नई गंगा बहाओ तुम,

कि सब कुछ जो बदल दे, ऐसे तूफाँ में नहाओ तुम ।

अगर तुम ठान लो तो आँधियों को मोड़ सकते हो
अगर तुम ठान लो तो तारे गगन के तोड़ सकते हो,
अगर तुम ठान लो तो विश्व के इतिहास में अपने -
सुयश का एक नव अध्याय भी तुम जोड़ सकते हो,
तुम्हारे बाहुबल पर विश्व को भारी भरोसा है -
उसी विश्वास को फिर आज जन-जन में जगाओ तुम ।
पसीना तुम अगर इस भूमि में अपना मिला दोगे,
करोड़ों दीन-हीनों को नया जीवन दिला दोगे ।
तुम्हारी देह के श्रम-सीकरों में शक्ति है इतनी -
कहीं भी धूल में तुम फूल सोने के खिला दोगे ।
नया जीवन तुम्हारे हाथ का हल्का इशारा है ।
इशारा कर वही इस देश को फिर लहलहाओ तुम ।

क) यदि भारतीय नवयुक दृढ़ निश्चय कर लें, तो क्या-क्या कर सकते हैं ? **(1)**

ख) नवयुवकों से क्या-क्या करने का आग्रह किया जा रहा है ? **(1)**

ग) युवक यदि परिश्रम करें, तो क्या लाभ होगा ? **(1)**

घ) आशय स्पष्ट कीजिए - 'कहीं भी धूल में तुम फूल सोने के खिला दोगे' । **(1)**

ङ) काव्यांश में से कोई एक मुहावरा चुनकर उसका वाक्य प्रयोग कीजिए । **(1)**

[k.M & [k

i-3 **निम्नलिखित में से <u>किसी एक</u> विषय पर निबंध लिखिए ।** **(5)**

क) पुस्तकों का महत्त्व ख) हमें चाहिए अच्छे शिक्षक

ग) पहला सुख निरोगी काया घ) प्रगति के पथ पर भारत

i-4 भारत सरकार के खेलमंत्री को पत्र लिखकर निवेदन कीजिए कि 2016 के ओलंपिक खेल 'रियो' में संपन्न होने के बाद अगला आपके देश भारत में आयोजित करवाए जाएँ । **(5)**

अथवा

कुछ टी.व्ही. चैनल वैज्ञानिक चिंतन या तर्क के स्थान पर अंधविश्वास फैलाने वाले कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं । इनके दुष्प्रभावों की चर्चा करते हुए किसी समाचार पत्र को पत्र लिखकर इस प्रवृत्ति को रोकने का अनुरोध कीजिए ।

i-5 **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए ।** **(5)**

क) मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ क्यों कहा जाता है ?

ख) मुद्रित माध्यम की कोई दो विशेषता लिखिए ।

ग) उलटा पिरामिड शैली किसे कहते हैं ? इसके कितने खंड होते हैं ?

घ) एंकर-बाइट क्या है ?

ङ) इंटरनेट पर उपलब्ध परन्तु मुद्रित न होने वाले समाचार पत्र का नाम क्या है ?

i-6 क) **'पढ़ाई लिखाई से वंचित बचपन'** अथवा **'एकल परिवार में बुजुर्गों की स्थिति'** पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए । **(5)**

ख) **'दलितों पर अत्याचार'** अथवा **'भ्रष्टाचार-का दानव'** विषय पर एक आलेख लिखिए । **(5)**

i-7 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।** **(2+3+3)**

ज़िंदगी में जो कुछ है जो भी है
सहर्ष स्वीकारा है,
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा है
गरबीली-गरीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब
यह विचार-वैभव सब
दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह अभिनव सब
मौलिक है मौलिक है
इसलिए कि पल-पल में
जो कुछ भी जाग्रत है अपलक है -
संवेदन तुम्हारा है ।

क) उपुर्यक्त पद्यांश में कवि क्या-क्या सहर्ष स्वीकार करना चाहता है ?

ख) कवि का 'तुम' कौन है ? वह उससे कैसे प्रभावित है ?

ग) कवि को अपनी गरीबी पर गर्व क्यों है तथा उसके लिए मौलिक क्या है ?

अथवा

फिर हम परदे पर दिखलाएँगे
फूली हुई आँख की एक बड़ी तस्वीर
बहुत बड़ी तस्वीर
और उसके होठों पर एक कसमसाहट भी
(आशा है आप उसे उसकी अपंगता की पीड़ा मानेंगे)
एक और कोशिश
दर्शक
धीरज-रखिए
देखिए
हमें दोनों एक संग रुलाने है

क) उपुर्यक्त पद्यांश में किसे संबोधित किया गया है ?

ख) दर्शकों को धीरज रखने की बात क्यों की गई है ?

ग) 'फूली हुई आँख की एक बड़ी तस्वीर' दर्शकों के मन में क्या परिवर्तन ला सकती है ?

i-8 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।** **(2+2+2)**

प्रातः नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो

स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो ।
और .....
जादू टूटता है इस उषा का अब
सूर्योदय हो रहा है ।

क) प्रातः कालीन आकाश की तुलना किससे की गई है और क्यों ?

ख) काव्यांश का बिंब-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

ग) काव्यांश की भाषा पर टिप्पणी कीजिए ।

अथवा

मैं और, और जग और, कहाँ का नाता
मैं बना-बना कितने जग रोज़ मिटाता
जग जिस पृथ्वी पर जोड़ा करता वैभव
मैं प्रति पग से उस पृथ्वी को ठुकराता ।

क) काव्यांश में 'और' शब्द की आवृत्ति के सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए ।

ख) काव्यांश में 'अलंकारों' के प्रयोग को स्पष्ट कीजिए ।

ग) पृथ्वी के संदर्भ में 'जग' और 'मैं' के व्यवहार का विरोधाभास स्पष्ट कीजिए ।

i-9 **निम्नलिखित में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।** **(3×2=6)**

क) भाषा को सहूलियत से बरतने का क्या अभिप्राय है ? 'बात सीधी थी पर' के आधार पर उत्तर दीजिए ।

ख) 'कविता के बहाने' पाठ के आधार पर कविता के असीमित अस्तित्व को स्पष्ट कीजिए ?

ग) 'पतंग' कविता में कवि ने बच्चों को कपास की तरह कोमल और उनके पैर को बेचैन क्यों कहा है ?

i-10 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।** **(4×2=8)**

भक्तिन और मेरे बीच में सेवक-स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है, क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे । भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अँधेरे-उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना । वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते है, जिसे सार्थकता देने के लिए ही हमें सुख-दुःख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए हैं ।

क) भक्तिन और लेखिका के बीच संबंध को स्वामी और सेवक का संबंध कहना कठिन क्यों है ?

ख) लेखिका ऐसा क्यों मानती है कि भक्तिन को नौकर कहना असंगत है ?

ग) लेखिका को ऐसा क्यों लगता है कि भक्तिन का उसके साथ भावात्मक संबंध है ?

घ) भक्तिन को अपनी सेवा से लेखिका इच्छा होते हुए भी क्यों नहीं हटा सकी ?

अथवा

अपने जीवन के अधिकांश हिस्सों में हम चार्ली के टिली होते हैं, जिनके रोमांस हमेशा पंक्चर होते रहते हैं । हमारे महानतम क्षणों में कोई भी हमें चिढ़ाकर या लात मानकर भाग सकता है । अपने चरमतम शूरवीर क्षणों में हम क्लैब्य और पलायन के शिकार हो सकते हैं । कभी-कभी लाचार होते हुए जीत भी सकते हैं । मूलतः हम सब चार्ली हैं, क्योंकि हम सुपरमैन नहीं हो सकते । सत्ता, शक्ति, बुद्धिमत्ता, प्रेम और पैसे के चरमोत्कर्ष में जब हम आईना देखते हैं तो चेहरा चार्ली-चार्ली हो जाता है ।

क) 'चार्ली के टिली' होने का आशय स्पष्ट करें ।

ख) हमारे जीवन को चार्ली के अभिनय से जोड़ने का प्रयास लेखक ने क्यों किया ?

ग) लेखक के अनुसार चरमतम शूरवीर क्षणों में हमारी दशा किस प्रकार की हो सकती है ?

घ) लेखक के अनुसार हमारा चेहरा चार्ली-चार्ली कब हो जाता है ?

i-11 **निम्नलिखित में से <u>किन्हीं चार</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।** **(4×3=12)**

क) बाज़ार किसी का लिंग, जाति, धर्म या क्षेत्र नहीं देखता; वह देखता है सिर्फ उसकी क्रयशक्ति को । इस रुप में वह एक प्रकार से सामाजिक समरसता की भी रचना कर रहा है । क्या आप इससे सहमत हैं ?

ख) दंगल में विजयी होने के पश्चात् लुट्टन सिंह की जीवन शैली में क्या परिवर्तन आ गया था ?

ग) अभी चार्ली पर बहुत कुछ लिखा जा सकता है । लेखक ने यह बात क्यों और किस तरह के संदर्भ में कहा ?

घ) भक्तिन का अतीत परिवार और समाज की किन समस्याओं से जूझते बीता है ? पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए ।

ङ) पुत्र की चाह में परिवार के लोग ही कन्या को जन्म देने वाली माँ के दुश्मन हो जाते हैं । इस प्रवृत्ति पर 'भक्तिन' पाठ के आधार पर टिप्पणी कीजिए ।

i-12 **'जूझ'** कहानी में आपको किस पात्र ने सबसे अधिक प्रभावित किया और क्यों ? उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ? **(5)**

i-13 **'जूझ'** कहानी में लेखक का आत्मविश्वास कक्षा में किस तरह बढ़ा होगा ? स्पष्ट कीजिए । **(5)**

i-14 **'सिल्वर वेडिंग'** कहानी में उन जीवन मूल्यों को उल्लेख कीजिए जो आज बदल रहे हैं । क्या आप इस बदलाव को ठीक समझते हैं ? सकारण उत्तर दीजिए । **(5)**